पैसेंजर कारों का निर्माण

8902. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या **औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य** मंत्री 2 जून, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1384 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पैसेंजर कारों के निर्माण संबंधी प्रस्ताव पर, जो विचाराधीन था, कब तक कार्यवाही किये जाने की संभावना है :

(ख) क्या प्रस्ताव पर विचार किया गया है ; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री (श्री फ़ख़रुद्दीन अली अहमद): (क) से (ग). यात्री कारों का निर्माण करने के लिए जिन पार्टियों ने प्रस्ताव दिये हैं उन सभी से 31 अगस्त, 1967 तक अपने प्रस्तावों का पूरा ब्यौरा उन्हें दिये गये फार्म के अनुसार भेजने के लिए कहा गया है। जिससे सरकार द्वारा उनकी आर्थिक संभाव्यता की जांच की जा सके। मांगी गई विस्तृत जानकारी प्राप्त हो जाने पर इन प्रस्तावों की और आगे जांच की जायेगी ।

कटनी स्टेशन (मध्य रेलवे) के डीज़ल स्टोर में अग्निकांड

8903. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या **रेलवे** मंत्री 2 जून, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1296 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पुलिस ने कटनी स्टेशन मध्य रेलवे के डीजल स्टोर में आग लगने के कारणों की जांच इस बीच पूरी कर ली है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या और

(ग) यदि नहीं, तो इसमें और कितना समय लगने की संभावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री वे० गु० पुनाचा) : (क) जी हां।

(ख) इस मामले की छानबीन पुलिस ने की, जिसने यह राय जाहिर की है कि कटनी के डीज़ल भंडार में आग आकस्मिकरूप से लगी थी ।

(ग) सवाल नहीं उठता ।

मैसर्स इंडिया इलेक्ट्रिक वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता

8904. **श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री 2 जून, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1253 के उत्तर के सम्बन्ध यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने मैसर्स इंडिया इलेक्ट्रिक वर्क्स लि० कलकत्ता के कार्य की जांच करने वाली तकनीकी समिति के प्रतिवेदन पर निर्णय कर लिया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो और कितना समय लगने की सम्भावना है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फ़ख़रुद्दीन अली अहमद) : (क) से (ग) : तकनीकी समिति की रिपोर्ट पर, जिसमें मैसर्स इंडिया इलेक्ट्रिक वर्क्स लि० कलकत्ता के मामले की जांच की थी, सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है। समस्या के विभिन्न पहलुओं तथा कम्पनी